सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध पर जागरूकता कार्यशाला

श्रीनिकेतन, 15 नवंबर, 2022:

आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, कोलकाता ने सिलपा-सदाना, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन के सहयोग से आज यहां "एकल उपयोग प्लास्टिक के प्रतिस्थापन के लिए प्राकृतिक फाइबर की भूमिका" पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पल्ली संगठन विभाग के प्रधानाचार्य डॉ. अरबिंद मंडल ने सिंगल यूज प्लास्टिक के खतरे और पर्यावरण पर इसके हानिकारक प्रभावों को कम करने में हमारी भूमिका के बारे में बताया। डॉ. लक्ष्मी कांत नायक, प्रधान वैज्ञानिक ने प्राकृतिक रेशों के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाने और एकल उपयोग वाले प्लास्टिक उत्पादों को बदलने की इसकी क्षमता के बारे में आईसीएआर-एनआईएनएफटी, कोलकाता की भूमिका के बारे में जानकारी दी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कार्तिक कुमार सामंत ने प्लास्टिक के विकल्प के रूप में प्राकृतिक फाइबर आधारित कागज पर एक प्रस्तुति दी है। डॉ. पी.के. चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर, शिल्पा-सदन ने दर्शकों को संबोधित किया और उन्हें प्राकृतिक रेशों के उपयोग के माध्यम से सतत विकास के प्रति संवेदनशील बनाया। डॉ. एस. रॉय मौलिक, एसोसिएट प्रोफेसर, शिल्पा-सदन ने कार्यक्रम का समन्वय किया और हार्दिक धन्यवाद दिया।

इस भव्य कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, कारीगरों और उद्यमियों सहित सौ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

(स्रोत: आईसीएआर-राष्ट्रीय प्राकृतिक फाइबर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)

Awareness Workshop on Ban on Use of Single Use Plastic

Sriniketan, November 15, 2022:

A one-day awareness workshop on "Role of natural fibres for replacement of single use plastic " was organized by ICAR-NINFET, Kolkata in collaboration with Silpa-Sadana, Visva-Bharati, Sriniketan here today.

The Chief Guest of the programme, Dr. Arabindo Mondal, Principal, Palli Samgathana Vibhaga has spoken about the menace of single use plastic and our role to reduce its harmful effects on the environment. Dr. Laxmi Kanta Nayak, Principal Scientist briefed about the role of ICAR-NINFET, Kolkata to spread the awareness on the benefits of natural fibres and its potential to replace the single use plastic products. Dr. Kartick Kumar Samanta, Senior Scientist has given a presentation on natural fibre-based paper as an alternative for plastic. Dr. P.K. Choudhuri, Associate Professor, Silpa-Sadana has addressed the audience and sensitized them towards sustainable development through use of natural fibres. Dr. S. Roy Moulik, Associate Professor, Silpa-Sadana has coordinated the programme and offered hearty vote of thanks.

One hundred participants comprising of students, faculty, artisans and entrepreneurs have participated in this august event.

*(**Source**: ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)*

कार्यक्रम की झलकियां/ Glimpses of the Programme:

कार्यक्रम का उदघाटन/

Inauguration of the programme

कार्यक्रम के प्रतिभागी/

Participants of the programme